



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

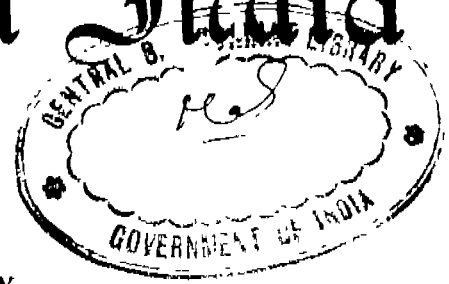
असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 59]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, मार्च 1, 2001/फाल्गुन 10, 1922

No. 59]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 1, 2001/PHALGUNA 10, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 मार्च, 2001

विषय :—यू.एस.ए., जापान और यूरोपीय संघ ( ई.यू. ) से हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट ( एचएस ) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच-अन्तिम निष्कर्ष

अन्तिम निष्कर्ष

53/1/99-डीजीएडी.—1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसके सीमाशुल्क टैरिफ ( पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण ) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. कार्य पद्धति

1. निम्नलिखित कार्य पद्धति अपनाई गई है:—

(1) निर्दिष्ट प्राधिकारी ( जिसे इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है ) ने दिनांक 4 अगस्त, 2000 की अधिसूचना द्वारा यूएसए, जापान और यूरोपीय संघ ( जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश/क्षेत्र कहा गया है ) से हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट ( एचएस ) ( जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु भी कहा गया है ) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों की अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचार भिजवाने का अनुरोध किया था।

- (ii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;
- (iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली स्थित यूएसए, जापान के दूतावासों और भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि मंडल को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार उपर्युक्त पैरा (i) और (ii) में यथानिर्धारित समय सीमा के भीतर भेजने की सलाह दी जाए;
- (iv) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया । मौखिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने वाली सभी पार्टियों से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था । उक्त पार्टियों को सलाह दी गई थी कि वे प्रतिपक्षी द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां प्राप्त कर लें और उनका खंडन यदि कोई हो, प्रस्तुत करें । इस प्रकार हितबद्ध पक्षों से प्राप्त लिखित अनुरोधी पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस निष्कर्षों में विचार किया है ।
- (v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उनके अनुरोध पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी,
- (vi) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए जिन तर्कों को अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, उन्हें संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है । परन्तु प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर, इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है ।

(vii) उपरोक्त नियम-16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों/आधार का खुलासा ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के लिए दिनांक 15.02.2000 को किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया है ।

(viii) इस अधिसूचना में \*\*\* किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का घोटक है और प्राधिकारी ने नियमों के अधीन उसे गोपनीय ही माना है ।

**ख. याचिकाकर्ता, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार और प्राधिकारी द्वारा उनकी जाँच**

2. याचिकाकर्ता, निर्यातकों और आयातकों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए हैं और उनका संक्षेप में नीचे उल्लेख किया गया जा रहा है । याचिकाकर्ता, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए जिन तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों में विचार किया जा चुका है, उन्हें संक्षिप्तता की वजह से दोहराया नहीं गया है ।

**(क) याचिकाकर्ता के विचार:**

इस संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए तर्क ये हैं :-

(i) निर्यातकों में से एक निर्यातक में बीएसएस, जर्मनी द्वारा उत्पादन लागत के संबंध में किया गया दावा प्रथम दृष्टया संदेहास्पद है । उनके द्वारा अपने अगोपनीय अनुरोध में दी गई जानकारी से पता चलता है कि कम्पनी ने एचएस के विलयन से शुरू करके अपनी उत्पादन लागत मानी है । ऐसा प्रतीत होता है कि विनिर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया और कम्पनी द्वारा अनुमानित उत्पादन लागत में एचएस विनिर्माण को एचएस विलयन के क्रिस्टलीकरण के रूप में माना गया है । अनुरोध है कि कम्पनी द्वारा किया गया ऐसा दावा पूर्णतया अस्वीकार्य, धोखा-धड़ी पूर्ण और भ्रामक है ।

- (ii) यह समझा जाता है कि बीएसएफ कैप्रोलिक्टम का उत्पादन करती है जिसके लिए एचएस विलयन का उत्पादन करना अपेक्षित होता है । मै0 बीएसएफ के पास कैप्रोलिक्टम की अत्यधिक उच्च क्षमता मानी जाती है । प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि कम्पनी द्वारा अपने एचएस के उत्पादन के लिए कच्चे माल की लागत का अपवंचन किया गया है और ऐसा लगता है कि कम्पनी द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध करवाए गए उत्पादन लागत के विवरण में "सामग्री" शीर्ष के अंतर्गत कोई प्रासंगिक लागत लगाई गई है ।
- (iii) प्राधिकारी का ध्यान मौखिक सुनवाई के वक्त बीएसएफ के प्रतिनिधि द्वारा दिए गए मौखिक अनुरोध की ओर आकृष्ट किया जाता है जिसमें कम्पनी ने दावा किया था कि उनके लिए एचएस विलयन एक सह-उत्पाद है । कम्पनी द्वारा किया गया दावा हमारे इस विचार को सुदृढ़ करता है कि कम्पनी ने कच्चे माल के रूप में एचएस के संबंध में अपनी लागतों का समुचित रूप से आबंटन नहीं किया है ।
- (iv) हमारा मत यह है कि मै0 बी.एस.एफ. एच.एस. विलयन की बड़ी मात्रा में बिक्री करती है । हम प्राधिकारी से इस कम्पनी का सामान्य मूल्य निर्धारण करते समय इस पहलू पर समुचित ढंग से विचार करने का अनुरोध करते हैं ।

उपरोक्त को देखते हुए, हम प्राधिकारी से घरेलू उद्योग की ओर से की गई मांग के आधार पर उत्पादन लागत संबंधी विस्तृत सूचना एकत्र करने का अनुरोध करते हैं । अनुरोध है कि घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध करवाए जाने के लिए अपेक्षित लागत निर्धारण संबंधी सूचना व्यापक है और इस प्रपत्र के अनुसार उससे मै0 बीएसएफ की उत्पादन लागत एवं लाभप्रदता की सही स्थिति का पता चलेगा । इसके अलावा, यह जांच करना भी महत्वपूर्ण है कि निर्यातक द्वारा अपने घरेलू बाजार में की गई सभी बिक्रियाँ बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्चों सहित पूरी उत्पादन लागत से अधिक थीं ।

- (v) एचएएस का उपयोग सल्फामेथाक्साजोल (एसएमएक्स) के उत्पादन में किया जाता है । स्वतः एसएमएक्स और इसके अन्य रूपों का भारी मात्रा में भारत से निर्यात किया जा रहा है । चूँकि भारत सरकार ने पाटनरोधी शुल्कों के दायरे से वस्तुओं के निर्यात उत्पादन के लिए अपेक्षित सामग्री के आयातों की अनुमति प्रदान की है इसलिए यह अनुरोध है कि जब तक भारत सरकार द्वारा यह छूट वापस नहीं ली जाती है, तब तक यह मांग घरेलू उद्योग के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं होगी ।
- (vi) याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि एचएएस से संबंधित निर्यात मदों के उत्पादन के लिए भारत में लगभग 2500 मी.टन एचएएस का आयात किया जाता है । इसके अतिरिक्त, 1 टन एसएमएक्स के उत्पादन के लिए 650 किग्रा. एचएएस की आवश्यकता होती है । तथापि, भारत सरकार ने 1 टन एसएमएक्स के निर्यात पर 800 कि.ग्रा. एचएएस के आयात की अनुमति प्रदान की है । अतः भारत सरकार द्वारा प्रत्येक टन एसएमएक्स के निर्यात के प्रत्येक मी. टन पर 20% अतिरिक्त आयात की अनुमति दी जा रही है ।

उपरोक्त को देखते हुए, याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि हालांकि भारतीय घरेलू खपत के लिए एचएएस की व्यापारिक मांग 2000 मी. टन के आस-पास है तथापि 400 मी. टन आयातित पाटनरोधी शुल्क मुक्त सामग्री उद्योग को उपलब्ध होगी जिसका इस्तेमाल कम्पनी द्वारा घरेलू बाजार के लिए निर्दिष्ट मद के उत्पादन के लिए किया जाएगा । अतः घरेलू बाजार के लिए एचएएस की प्रभावी मांग 1600 मी. टन के आस-पास है जिसकी क्षमता कम्पनी द्वारा सृजित की गई है ।

**(ख) निर्यातक, आयातक तथा अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार**

मे0 बी.ए.एस.एफ. तथा आयातक द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

- (i) मौजूदा मामले में यथा निर्धारित जांच अवधि जुलाई 1999 से 31 दिसम्बर, 1999 तक की है । उक्त जांच अवधि किसी भी उद्योग और विशेषकर, रसायन उद्योग के लिए रसायन उद्योग में प्रवृत्ति की साफ तस्वीर दर्शाने हेतु बहुत कम है । उन्होंने अनुरोध किया है कि

इस विशेष उद्योग में प्रवृत्ति की स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करने के लिए एक पूरे वित्तीय वर्ष के लिए जांच अवधि को बढ़ाया जाए ।

- (ii) इस मामले में याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि से ठीक पहले अमरीका से विचाराधीन आरोपित उत्पाद का आयात किया है ।
- (iii) प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का आकलन करने हेतु असहयोगी निर्यातक के संबंध में अपनाई गई कम निर्यात कीमत लेने की प्रक्रिया अभूतपूर्व है । प्राधिकारी के पास उपलब्ध एक मात्र आंकड़े आयातों के ब्यौरे हैं और न्यूनतम निर्यात (अथवा आयात) कीमत लेना एचएस के उपयोक्ताओं के लिए सर्वथा अनुचित है ।
- (iv) अनुरोध है कि याचिकाकर्ता को कोई क्षति नहीं पहुँची है । क्षति के एक ऐसे चुनिंदा विश्लेषण के आधार पर क्षति का दावा किया जा रहा है और उसे उजागर किया जा रहा है, जहाँ स्पष्ट क्षति को प्रमाणित करने के लिए भिन्न-भिन्न अवधि-तिमाही से तिमाही अथवा वार्षिक तुलना की जा रही है ।
- (v) यह तथ्य कि पाटित आयातों से इतर कारक घरेलू उद्योग को प्रभावित कर रहे हैं की पुष्टि घरेलू उद्योग कि मौखिक सुनवाई के वक्त यह स्वीकार करने से हो जाती है कि बिक्रियाँ अब भी कम हो रही हैं । इससे यह सिद्ध होता है कि शुल्क लगाने के पश्चात भी घरेलू उद्योग को लाभ नहीं पहुँच रहा है और यह कि आयात कीमत के कारण नहीं बल्कि खराब गुणवत्ता एवं अपर्याप्त उत्पादन प्रक्रियाओं जैसे अन्य कारकों की वजह से हो रहे हैं ।

### प्राधिकारी के विचार

याचिकाकर्ता, निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए आवेदनों की जांच की गई है और उन पर नियमों के तहत उस सीमा तक विचार किया गया है वहाँ वे संगत हैं

और उनका इस मामले पर प्रभाव पड़ता है तथा उन पर इस अधिसूचना में समुचित स्थानों पर कारवाई की गयी है।

- (i) जहाँ तक याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों का संबंध है, प्राधिकारी ने निर्यातक मै0 बीएएसएफ की मौके पर जाकर जांच की है। तदनुसार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है।
- (ii) जहाँ तक गुणवत्ता के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि गुणवत्ता में कोई अंतर है। माननीय सीगेट ने पहले ही यह निर्णय लिया है कि मौजूदा प्रयोजन हेतु गुणवत्ता का मुद्दा संगत नहीं है। किसी भी स्थिति में, गुणवत्ता के मुद्दे में, मात्रात्मक समायोजन की सर्वाधिक आवश्यकता होती है जिसे किसी भी हितबद्ध पक्ष द्वारा उजागर नहीं किया गया है।
- (iii) घरेलू उद्योग द्वारा जांच अवधि के दौरान एचएस का आयात नहीं किया गया है। किसी भी हालात में, प्राधिकारी के पास ऐसी कम्पनी को घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र में रखने का विवेकाधिकार होता है। कम्पनी को बाहर रखने के लिए उठाए गए कारण अस्वीकार्य हैं।
- (iv) प्राधिकारी द्वारा मानी गई जांच अवधि नियमों के अनुसार और अत्यधिक उचित है क्योंकि याचिकाकर्ता ने इस अवधि के दौरान इन देशों के निर्यातकों द्वारा हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के पाटन का आरोप लगाया था। प्राधिकारी के लिए उस अवधि की जांच करनी अपेक्षित होती है जिसके लिए याचिकाकर्ता द्वारा पाटन का आरोप लगाया गया है।

(ग) विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचार किया गया उत्पाद यू एस ए, जापान और यूरोपीय संघ (ई यू) मूल का या वहां से निर्यातित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट (एच ए एस) है। हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2825.1003 के अंतर्गत किया गया है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

(घ) याचिकाकर्ता की घरेलू उद्योग संबंधी स्थिति

4. यह याचिका मै. दीपक नाइट्राइट लिमिटेड द्वारा दायर की गई है, जिसका पंजीकृत कार्यालय अलकापुरी, बड़ौदा-390007 में स्थित है। याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है। अतः याचिकाकर्ता नियमों के अंतर्गत यथापेक्षित घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने के मापदंड को पूरा करता है।

(ड.) समान वस्तु

5 (क) पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट किया गया है कि 'समान वस्तु' का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो हर दृष्टि से जांचाधीन उत्पाद के समनुरूप या समान हो अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है, जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती जुलती हों।

(ख) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि भारत में उत्पादित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट और संबद्ध देशों/क्षेत्र से निर्यात किए गए हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट में कोई खास अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और इन देशों/क्षेत्रों से आयातित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट भौतिक व रसायनिक गुणों, विनिर्माण प्रक्रिया व प्रौद्योगिकी, कार्य व उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में इन देशों/क्षेत्र से आयातित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट से तुलनीय हैं। दोनों वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं ने दोनों वस्तुओं का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया है इसलिए याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों/क्षेत्र से आयातित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट को पाटनरोधी नियमों के अनुसार समान वस्तु के रूप में माना जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया है कि हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का उत्पादन करने के दो तरीके उपलब्ध हैं। घरेलू उद्योग हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का उत्पादन रसिग विधि से कर रहा है और हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के उत्पादन की दूसरी विधि सांद्र सल्फ्यूरिक अम्ल की उपस्थिति में प्लैटिनम उत्प्रेरक पर नाइट्रिक ऑक्साइड के हाइड्रोजनीकरण द्वारा है। तत्पश्चात् एच ए एस विलयन का पृथक्करण स्वाकरण और अपकेन्द्रण के द्वारा किया जाता है। घरेलू उद्योग ने आगे यह कहा है कि वे संबद्ध देशों/क्षेत्र के उत्पादकों द्वारा अपनाई जा रही प्रक्रिया के बारे में

नहीं जानते हैं। तथापि, यह अनुरोध किया जाता है कि अपनाई गई प्रक्रिया में अंतर से विपणन, कीमत निर्धारण, विनिर्देशन आदि पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

(ग) उपर्युक्त के आलोक में प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन की जा रही और संबद्ध देशों/क्षेत्र से आयात की जा रही हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का उपयोग अदल-बदल कर किया जा सकता है और इस प्रकार वे वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इसलिए वे नियमों के अर्थ के अंतर्गत समान वस्तुएं हैं।

(च) यूएसए, जापान और यूरोपीय संघ के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

6. प्राधिकारी ने नियमों के अनुसार यूएसए, जापान और यूरोपीय संघ के निर्यातकों को जांच से संबद्ध सूचना प्रस्तुत करने और टिप्पणियां, अगर कोई हों, देने का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत में यूएसए, जापान के दूतावास और भारत में यूरोपीय संघ के शिष्टमंडल को पत्र भी लिखा।

(छ) पाटन मार्जिन

7. सामान्य मूल्य

प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9क (1)(ग) के संबंध में सामान्य मूल्य की जांच की है। प्राधिकारी ने उपर उल्लिखित धारा के अनुसार संबद्ध देशों/क्षेत्र के निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में निर्यातकों द्वारा किए गए दावे निम्नानुसार हैं-

(ज) यूएसए, जापान और यूरोपीय संघ के निर्यातक

8. मै. बी ए एस एफ आक्तिनगेसेलसाफ्ट, जर्मनी और मै. यू बी ई इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान से उत्तर प्राप्त हुआ था। उन्होंने जांच अवधि के दौरान की गई घरेलू बिक्रियों और भारत को किए गए निर्यातों का ब्यौरा प्रस्तुत किया था। मै. तोआगोसी कंपनी लिमि., जापान और मै. डीएस एम, नीदरलैंड ने अनुरोध किया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है। मै. डी एस एम ने आगे यह कहा है कि चूंकि वह जनवरी, 1998 से हाइड्रोक्सिल एमीन का उत्पादन नहीं कर रहा है अथवा और निर्यात नहीं कर रहा है इसलिए जांच में शामिल होने की जरूरत नहीं है। निर्यातको द्वारा सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में किए गए दावों पर निम्नानुसार चर्चा की जाती है:-

9. मै. बी ए एस एफ, जर्मनी

(क) सामान्य मूल्य:

(i) निर्यातक ने घरेलू बाजार में हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की बिक्रियों के माह वार ब्यौरे प्रस्तुत किए थे। मै. बी ए एस एफ ने घरेलू बाजार में \*\*\* किग्रा हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की बिक्री \*\*\*\* अमरीकी डालर के विक्रय मूल्य पर की थी। इसप्रकार घरेलू बाजार में औसत बिक्री प्राप्ति \*\*\* अमरीकी डालर/प्रति किग्रा. की थी। मै. बी ए एस एफ ने हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की उत्पादन लागत को भी प्रस्तुत किया है। उसने घरेलू बिक्री की कारखाना द्वार पर कीमत निकालने के प्रयोजन से कमीशन, पैकिंग और स्वदेशी भाड़े के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। तदनुसार, कारखाना द्वार पर एच ए एस की घरेलू कीमत \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा का दावा किया गया था।

(ii) जांच के समय याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों और मै. बी ए एस एफ द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर कंपनी से कुछ स्पष्टीकरण मांगे गए थे । कंपनी से अनुरोध किया गया था कि वे जांच के समय मौखिक स्पष्टीकरणों को लिखित में पुनः प्रस्तुत करें जिसे वे प्रस्तुत करने में विफल रहे थे ।

(iii) चूंकि कंपनी अपने मौखिक स्पष्टीकरणों को पुनः प्रस्तुत करने में विफल रही है इसलिए कंपनी द्वारा जांच के समय प्रस्तुत मौखिक स्पष्टीकरणों की खासकर याचिकाकर्ता द्वारा दायर किए गए प्रतिदावों को ध्यान में रखते हुए रिकार्ड में नहीं रखा गया है । यह मै. बी ए एस एफ को दौरे के समय स्पष्ट कर दिया गया था और लिखित में भी सूचित कर दिया गया था । तथापि मै. बी ए एस एफ प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित स्पष्टीकरण/सूचना लिखित में प्रस्तुत करने में विफल रहा है और इसलिए मै. बी ए एस एफ को यहां तक अप-सहयोगी माना गया है । इसलिए, प्राधिकारी ने नियम 6(8) अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्रवाई की है ।

#### (ख) निर्यात कीमत

मै. बी ए एस एफ ने भारत को \*\*\* अमरीकी डालर के कुल मूल्य के \*\*\* किग्रा हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का निर्यात किया है । तदनुसार, जांच अवधि के दौरान हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की औसत निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा निकलती है । निर्यातक ने कमीशन \*\*\*, स्वदेशी भाड़े \*\*\*, विदेशी भाड़े \*\*\* और पैकिंग \*\*\* के लिए समायोजनों का दावा किया है । भारत के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\*/किग्रा का दावा किया गया है । निर्यात कीमत के लिए प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों पर भरोसा किया है ।

इस प्रकार प्राधिकारी ने मै. बी ए एस एफ, जर्मनी यूरोपीय संघ के मामले में पाटन मार्जिन \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा या 98.74% निर्धारित किया गया है ।

#### 10. यूरोपीय संघ के अन्य निर्यातक

(क) प्राधिकारी ने उपर उल्लिखित धारा के अनुसार यूरोपीय संघ के निर्यातकों को जांच से संबद्ध सूचना प्रस्तुत करने और टिप्पणियां, अगर कोई हों, प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया । प्राधिकारी ने भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल को पत्र भी लिखा । तथापि, यूरोपीय संघ से किसी अन्य निर्यातकों ने प्राधिकारी के सूचना भेजने के अनुरोध का उत्तर नहीं दिया है । सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे का भी किसी अन्य हितबद्ध पार्टि(यों) ने विरोध नहीं किया है । इसलिए प्राधिकारी ने नियम 6(8), अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्रवाई की है ।

(ख) इस प्रकार प्राधिकारी द्वारा ई यू के हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के असहयोगी/अन्य निर्यातकों के मामले में निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन मै. सी ए एस एफ के समान अर्थात् \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा या 98.74% है ।

## 11. मै. यू बी ई इंडस्ट्रीज लिमि., जापान

### (क) सामान्य मूल्य

(i) मै. यू बी ई ने कहा है कि उनके द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की जापानी बाजारों में बिक्री वितरकों द्वारा की जाती है।

(ii) मै. यू बी ई ने कहा है कि चूंकि वे जापानी बाजारों में संबद्ध वस्तु के वितरक नहीं हैं इसलिए "मार्जिन" (खरीद कीमत और वितरकों की पुनर्बिक्री कीमत का अंतर जो सामान्यतः खरीद कीमत का 35% बैठता है) के बारे में ब्यौरे उपलब्ध नहीं किए जाते हैं।

(iii) निर्यातकों ने घरेलू बाजार में हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की बिक्रीयों के माहवार ब्यौरे व्यापार के उसी स्तर पर प्रस्तुत किए थे जिस पर भारत को निर्यात किया गया था। मै. यू बी ई ने घरेलू बाजार में \*\*\*किग्रा हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की बिक्री \*\*\* अमरीकी डालर के विक्रय मूल्य पर की थी। इस प्रकार, घरेलू बाजार में औसत बिक्री प्राप्ति \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा रही थी। मै. यू बी ई ने हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के अपनी उत्पादन लागत को भी प्रस्तुत किया है। घरेलू बिक्रियों की कारखाना द्वार पर कीमत निकालने के लिए पैकिंग स्वदेशी भाड़ा बीमा और हैंडलिंग के लिए समायोजनों का दावा किया गया है। तदनुसार कारखाना द्वार पर \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा की घरेलू कीमत का दावा किया गया था।

प्राधिकारी ने अंतिम निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ उपरोक्त समायोजनों की अनुमति दी है। सामान्य मूल्य \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा बैठता है।

### (ख) निर्यात कीमत

(i) निर्यातक ने उल्लेख किया है कि उनके द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की वितरकों/व्यापारिक घरानों को बिक्री की जाती है और उनके द्वारा इसका भारत को निर्यात किया जाता है। मै. यू बी ई द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात मै. निस्सो हवाई कं., मै. मितुई एंड कं. लिमि. और मै. मित्सुया बोइकी लिमि., जापान के जरिए किया जाता है।

(ii) मै. यू बी ई ने कहा है कि उन्होंने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात सीधे नहीं किया है। तथापि, उन्होंने अपने वितरकों/व्यापार घरानों के निर्यात बिक्री कीमत (सी आई एफ आधार पर) और एफ ओ बी पश्चात प्रभारों जैसे निर्यात संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराए हैं।

(iii) मै. यू बी ई इंडस्ट्रीज लिमि. ने भारत को \*\*\* अमरीकी डालर कुल मूल्य के हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के \*\*\* किग्रा का निर्यात किया है। तदनुसार जांच अवधि के दौरान हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की औसत निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा (अपने वितरकों/व्यापारिक घरानों के जरिए) निकलती है निर्यातक ने कमीशन \*\*\*, स्वदेशी भाड़े \*\*\*, विदेशी भाड़े \*\*\*, बीमा \*\*\*, विदेशी बीमा \*\*\*, पैकिंग \*\*\*, हैंडलिंग \*\*\*, अग्रेषण \*\*\* और ब्याज \*\*\* के लिए समायोजनों का दावा किया है। इस प्रकार भारत को निर्यात बिक्री हेतु कारखाना द्वार पर कीमत \*\*\* /किग्रा का दावा किया गया है। प्राधिकारी ने अंतिम निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ उपरोक्त समायोजनों की अनुमति दी है।

इस प्रकार, प्राधिकारी द्वारा मै0 यू बी ई, जापान द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों के मामले में पाटन मार्जिन का आकलन \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा. अथवा 40.03 % किया गया है।

- (iv) प्राधिकारी ने मै0 यू बी ई से उनके इस कथन कि उन्होंने संबद्ध वस्तुओं का भारत में निर्यात ऊपर उल्लिखित तीन वितरकों/व्यापार घरानों के जरिए किया है, के बारे में यह स्पष्टीकरण मांगा है कि क्या इन वितरकों/व्यापार घरानों ने जांच अवधि के दौरान केवल मै0 यू बी ई द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं का ही भारत को निर्यात किया है। मै0 यू बी ई ने यह स्पष्ट किया है कि जांच अवधि के दौरान इन तीनों वितरकों/व्यापार घरानों ने भारत को किसी अन्य कम्पनी द्वारा उत्पादित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का निर्यात नहीं किया है।

तदनुसार, जैसा कि मै0 यू बी ई इंडस्ट्रीज लि0 के लिए आकलित किया गया है, मै0 निस्सो अवाई कं0, मै0 मितुई एण्ड कं0 लि0 तथा मै मितसुया बोएकी लि0, जापान के लिए पाटन मार्जिन 40.03 % है

## 12. जापान के अन्य निर्यातक

- (i) प्राधिकारी ने ऊपर उल्लिखित धारा के अनुसार जापान के निर्यातकों को जांच से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने और अपनी टिप्पणियां, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत स्थित जापान के दूतावास को भी पत्र लिखा। तथापि, जापान के किसी अन्य निर्यातक ने सूचना प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकारी द्वारा किए गए अनुरोध का जवाब नहीं दिया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे पर भी अन्य हितबद्ध पक्ष (पक्षों) द्वारा खण्डन नहीं किया गया है। इसलिए प्राधिकारी ने नियम 6(8), अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्यवाही की।
- (ii) प्राधिकारी द्वारा जापान के हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के असहयोगी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन का आकलन \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा0 अथवा 105.78 % किया गया है।

### 13. यू एस ए के निर्यातक

- (i) प्राधिकारी ने उपर उल्लिखित धारा के अनुसार अमरीका के निर्यातकों को जांच से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने और अपनी टिप्पणियाँ, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया । प्राधिकारी ने भारत स्थित अमरीका के दूतावास को भी पत्र लिखा । तथापि, अमरीका के किसी अन्य निर्यातक ने सूचना प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकारी द्वारा किए गए अनुरोध का जवाब नहीं दिया है ।
- (ii) सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे पर भी अन्य हितबद्ध पक्ष(पक्षों) द्वारा खण्डन नहीं किया गया है । इसलिए प्राधिकारी ने नियम 6(8), अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्यवाही की ।
- (iii) निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एण्ड एस द्वारा संकलित सूचना के आधार पर किया गया है । औसत निर्यात कीमत का समायोजन कमीशन, बीमा, स्वदेशी भाड़े, विदेशी माल-भाड़े, पत्तन खर्च के लिए किया गया है जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा दावा किया गया था । प्राधिकारी द्वारा यू एस ए के एच ए एस के सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का आकलन \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा० किया गया है ।

### 14. तुलना से संबंधित नियमों में नियमानुसार प्रावधान हैं

"पाटन का मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच एक उचित तुलना करेगा । यह तुलना व्यापार के एक समान स्तर पर, सामान्यतया कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी । जो अंतर कीमत तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर उचित छूट दी जाएगी । उक्त अंतर में बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, भौतिक विशेषताएं तथा अन्य ऐसे उत्तर शामिल हैं, जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं ।"

15. जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर अलग-अलग निर्यातको तथा विशिष्ट देशों/क्षेत्र के संबंध में पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	देश/निर्यातक	पाटन मार्जिन %
1.	<u>ई यू</u> सभी निर्यातक	98.74
2.	<u>जापान</u> 1. मै0 यू बी ई इंडस्ट्रीज लि0 2. मै0 निस्सो अवाई कं0 लि0 3. मै0 मितुई एण्ड कं0 लि0 4. मै0 मितसुया बोएकी लि0 5. अन्य निर्यातक	40.03 40.03 40.03 40.03 105.78
3.	<u>यू एस ए</u> सभी निर्यातक	67.47

### अ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

16(क) कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है, अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती ।

(ख) भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभावों की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उक्त नियमावली के अनुबंध-11(iv) के अनुसरण में ऐसे संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हों जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि ।

- (ग) प्राधिकारी ने पाटित आयातों के अलावा अन्य कारकों, अर्थात् संयंत्र का गैर-किफायती आकार, अक्षमता, कुप्रबंधन, गुणवत्ता अथवा यथा उल्लिखित कोई अन्य कारक इत्यादि पर भी विचार किया है जिससे घरेलू उद्योग को उस समय क्षति पहुँच सकती थी ।
- (घ) घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण कच्चे माल का उपयोग, क्षमता उपयोग इत्यादि और निवेशों तथा क्षमता उपयोग सहित जांच अवधि के दौरान वास्तविक खर्चों जैसे सभी संगत कारकों के उचित विश्लेषण के द्वारा किया गया है । घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत का निर्धारण उत्पादन की ईष्टतम लागत और घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई पूंजी पर उचित आय को ध्यान में रखते हुए किया गया है ।

#### क्षति संबंधी निष्कर्ष

17. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि

(क) बाजार हिस्सा

वर्ष	बाजार हिस्सा-घरेलू उद्योग(%)	बाजार हिस्सा-आयात(%)
1995-96	12.71	87.29
1996-97	13.80	86.20
1997-98	13.56	86.44
1998-99	15.30	84.70
जांच अवधि के दौरान (वार्षिकृत)	10.72	89.28

उपरोक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि भारत में एच ए एस की मांग में आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है । मांग में आयातों के बाजार हिस्से में यह वृद्धि प्रत्यक्ष रूप से भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट के कारण हुई थी । इसके अलावा, समूचा आयात संबद्ध देशों/क्षेत्र से किया गया है ।

(ख) संबद्ध देशों/क्षेत्र से हुए आयात में समग्र रूप से वृद्धि

प्राधिकारी यह पाते हैं कि संबद्ध देशों/क्षेत्र से हुए एच ए एस के आयातों में समग्र रूप से कॉफी वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित सारणी से देखा जा सकता है:-

वर्ष	आयात मी.टन में
1995-96	2826.25
1996-97	3268.84
1997-98	3684.58
1998-99	4055.77
जांच अवधि - वार्षिकृत	4117.87

(ग) उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

याचिकाकर्ता का उत्पादन एवं क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहा है:-

वर्ष	क्षमता मी.टन में	उत्पादन मी.टन में	क्षमता उपयोग %
1995-96	600	379	63.17
1996-97	600	515	85.83
1997-98	750	643	85.73
1998-99	975	750.775	77
जांच अवधि (छः महीने)	780	375.33	48.12

उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि होने के बावजूद भी घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। उत्पादन में यह वृद्धि घरेलू उद्योग की क्षमता में हुई वृद्धि के कारण हुई है।

**(घ) बिक्री प्राप्ति**

जांच अवधि तथा पिछले तीन वर्षों के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति निम्नानुसार है (वर्ष 1995-96 की सूचकांकित सूचना को 100 मानते हुए) :-

अवधि	बिक्री प्राप्ति, रू० प्रति मी.टन
1995-96	100.00
1996-97	99.73
1997-98	89.34
1998-99	89.98
जुलाई, 1999	83.56
अगस्त, 1999	74.95
सितम्बर, 1999	69.88
अक्तूबर, 1999	64.69
नवम्बर, 1999	71.98
दिसम्बर, 1999	60.29

यह स्पष्ट है कि खास कर जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति में तेजी से गिरावट आई है ।

**(ङ.) कीमतों में कटौती:**

अवधि	बिक्री प्राप्ति (घरेलू उद्योग) आधार वर्ष = 100	पहुंच मूल्य (आयात) आधार वर्ष = 100
1995-96	100.00	100.00
1996-97	99.73	102.62
1997-98	89.34	97.73
1998-99	89.97	81.69
जुलाई, 1999	83.56	60.47
अगस्त, 1999	74.95	60.99
सितम्बर, 1999	69.88	58.11
अक्तूबर, 1999	64.69	60.00
नवम्बर, 1999	71.98	61.67
दिसम्बर	60.29	59.26

उपरोक्त सारणी से यह पता चलता है कि वर्ष 1998-99 तक संबद्ध देशों/क्षेत्र में आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अधिक था। तथापि, जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों/क्षेत्र के निर्यातकों ने अपनी कीमतों में काफी कमी की थी जिसके कारण भारतीय बाजार में कीमतों में भारी कमी की गई थी।

(च) बिक्री मात्रा

अवधि	बिक्री मी0 टन में
1995-96	422
1996-97	525
1997-98	616
1998-99	765.90
जांच अवधि	264.53
जांच अवधि वार्षिक	529.06

प्राधिकारी यह पाते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्रियों में गिरावट आई है। यद्यपि घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों/क्षेत्र से भारतीय बाजार में एचएस के किए गए पाटन के कारण अपनी बिक्री कीमत घटाई है, तथापि, घरेलू उद्योग उत्पादन और क्षमता में हुई वृद्धि के अनुपात में अपनी बिक्री को बढ़ाने में असमर्थ रहा था।

(छ) लाभप्रदता

दूसरी ओर बिक्री कीमत में कमी और उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है।

(ज) हाइड्रोक्साइल एमिन सल्फेट के प्रति मी0 टन अंशदान में गिरावट।

जैसेकि उपरोक्त पैरा से स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति में काफी हद तक गिरावट आई है, एचएस के प्रति मी0 टन के अंशदान में गिरावट के फलस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति में गिरावट आई है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत गोपनीय सूचना में इनका विश्लेषण किया और यह पाया था कि घरेलू उद्योग नकारात्मक अंशदान की स्थिति का सामना कर

(झ) अंतिम स्टॉक

वर्ष 1997-98 के दौरान याचिकाकर्ता का अन्तिम स्टॉक 16.25 मी० टन और वर्ष 1998-99 में 1.5 मी० टन का था, जोकि जांच अवधि के दौरान 117.800 मी० टन हो गया ।

18. अतः प्राधिकारी उपरोक्त से यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम पर हुए हैं । इसके अलावा, भारत में आयात घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत से कम कीमत पर हुए हैं । इसके परिणामस्वरूप, याचिकाकर्ता अपने उत्पाद को अपनी क्षतिरहित कीमत से काफी कम कीमत पर बेचने के लिए बाध्य हुआ था जिसके कारण याचिकाकर्ता को वित्तीय घाटा हुआ था । याचिकाकर्ता को कुल प्रत्यक्ष बाजार की तुलना में क्षमता उपयोग के स्तर को बढ़ाने से भी रोका गया था।

ये मापदण्ड सामूहिक और संचयी रूप से यह प्रदर्शित करते हैं कि याचिकाकर्ता को आयातों के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है ।

ट. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

19(क) सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे याचिकाकर्ता कंपनियों को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनःस्थिति लाना है, जो कि देश के सामान्य हित में है ।

(ख) यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है । किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही सीमित कर दी जाए जो कि याचिकाकर्ता कंपनी को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है । इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों के इस्तेमाल से पाटन द्वारा प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त

होंगे । याचिकाकर्ता कंपनी के ह्रास को रोका जाएगा और हाइड्रोक्सिल एमिन सल्फेट के उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध देशों/क्षेत्र से होने वाले आयात किसी प्रकार कम नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा ।

(ग) याचिकाकर्ता कंपनी को हुई क्षति दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमित्त प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता कंपनी के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में याचिकाकर्ता कंपनी के लिए हाइड्रोक्सिल एमिन सल्फेट की क्षति रहित कीमत पर विश्वास किया है ।

#### ठ अन्तिम निष्कर्ष

20. प्राधिकारी उपरोक्त पर विचार करने के पश्चात् यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:-

(क) संबद्ध देशों/क्षेत्र के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाइड्रोक्सिल एमिन सल्फेट का सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत को निर्यात किया गया है, जिसके कारण पाटन हुआ है ।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

(ग) यूएसए, जापान तथा ई यू के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।

(घ) अतः प्राधिकारी यूएसए, जापान तथा ई यू के मूल के या वहां से निर्यातित अध्याय 28 (सीमाशुल्क उपशीर्ष 2825.1003) के अंतर्गत आने वाले हाइड्रोक्सिल एमिन सल्फेट के सभी आयातों पर निश्चयात्मक शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

(ङ.) इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग, द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर, सभी प्रकार के सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

(च) पाटन मार्जिन के बराबर अथवा ऐसी कम पाटनरोधी शुल्क की धनराशि की सिफारिश पर विचार किया गया था जिसे यदि वसूल किया जाता है तो उसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी । इस प्रयोजनार्थ अलग-अलग निर्यातकों के लिए आयातों की पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत के साथ की गई थी । जहां कहीं यह अंतर पाटन मार्जिन से कम पाया गया था वहां पाटन मार्जिन से कम शुल्क की सिफारिश की गई है ।

(छ) तदनुसार संबद्ध देशों/क्षेत्र के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाइड्रोक्सिल एमिन सल्फेट के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । पाटनरोधी शुल्क नीचे कालम तीन में दी गई धनराशि और डालर प्रति मी० टन में आयातों के पहुंच मूल्य के बीच का अंतर होगा ।

क्रम सं०	कंपनी का नाम	धनराशि अमरीकी डालर/मी०टन
1	2	3
क.	<u>ईयू</u> सभी निर्यातक	1794.13
ख.	<u>जापान</u> 1. मै० यूबीई इंडस्ट्रीज लि० 2. मै० निस्सो अवाइ कंपनी 3. मै० मितुई एण्डकं० लि० 4. मै० मितसुया बोस्की लि० 5. अन्य निर्यातक	1733.56 1733.56 1733.56 1733.56 1794.13
ग.	<u>यूएसए</u> सभी निर्यातक	1794.13

(ज) उपरोक्तानुसार प्राधिकारी 4 अगस्त, 2000 के प्रारंभिक निष्कर्ष की पुष्टि करते हैं ।

(झ) इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी ।

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st March, 2001.

**Subject:—Anti-Dumping investigation concerning imports of Hydroxyl Amine Sulphate (HAS) from USA, Japan and European Union (EU)—Final Findings.****FINAL FINDINGS**

**53/1/99-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :—

**53/1/99-DGAD** - Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof: -

**A. PROCEDURE:**

1. The procedure described below has been followed:
  - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dated the 4<sup>th</sup> August, 2000 on anti-dumping investigation concerning imports of Hydroxyl Amine Sulphate (HAS) ( hereinafter also referred to as subject goods) from USA, Japan and EU (hereinafter referred to as subject countries / territory ) and requested interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
  - ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
  - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassies of USA, Japan and EU Delegation in India in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings in the time frame as stipulated in (i) and (ii) above;
  - iv) The Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally. All parties presenting their views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by opposing parties and offer rebuttals, if any. The written submissions thus received from interested parties have been considered by the Authority in this finding.

- (v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of the submissions, submitted by various interested parties, for inspection, upon request;
- (vi) Arguments raised by interested parties before announcing of preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified earlier, have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties after preliminary findings have been appropriately dealt in this findings;
- (vii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to the known interested parties on 15.02.2001 and comments received on the same have also been duly considered in this finding.
- (viii) \*\*\*\*\* in the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by Authority under the Rules.

**B. VIEWS OF PETITIONER, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY:**

2. The petitioner, exporters and importers have expressed their views, and the same are briefly mentioned below. The arguments expressed by the petitioner, exporters, Importers and other interested parties, which are already discussed in the preliminary findings have not been repeated for the sake of brevity.

**(a) PETITIONER' VIEWS:**

The arguments of the petitioner in this regard are:-

- (i) The cost of production claimed by M/s BASF, Germany, one of the exporters is prima-facie suspected. The information provided by them in their non-confidential submission reveals that the company has considered its cost of production starting from HAS Solution. It appears that the entire process of manufacturing and cost of production projected by the company considers HAS manufacturing as crystallization of HAS Solution. It is submitted that such claim made by the company is grossly unacceptable, deceptive and misleading.
- (ii) It is understood that M/s BASF is engaged in production of Caprolectum, which requires production of HAS Solution. M/s BASF is understood to hold significantly higher capacities for Caprolectum. Prima facie, it appears that the company has just evaded its cost of raw material for production of HAS and some incidental cost seems to have been charged under head "materials" in the statement of cost of production provided by the company to the Authority.

- (iii) Attention of the Authority is invited to the oral submissions made by the representative of M/s BASF at the time of oral hearing, wherein the company claimed that HAS Solution is a by-product for them. The claim made by the company reinforces our view that the company has not apparently allocated its costs appropriately on HAS on account of raw materials.
- (iv) It is our understanding that M/s BASF sells significant volumes of HAS Solution. We request the Authority to suitably consider this aspect while assessing Normal Value of this company.

In view of the above, we request the Authority to collect detailed information on cost of production on the lines demanded from Domestic Industry. It is submitted that the costing information required to be provided by the Domestic Industry is comprehensive and disclosure of information as per this format would reveal the correct position with regard to cost of production and profitability of M/s BASF. Further, it is also important to examine that all sales made by the exporter in its home market were above the full cost of production including Selling, General and Administrative expenses.

- (v) HAS is consumed for production of Sulphamethaxazole (SMX). SMX per se and in other forms is being exported from India in substantial volumes. Since the Government of India has permitted imports of the material required for production of export of goods from the purview of anti dumping duties, it is submitted that effectively this demand is not available to the Domestic Industry unless Government of India withdraws the exemption.
- (vi) The petitioner has submitted that about 2500 MT HAS is imported in India for production of HAS related export items. Further, 650 Kg HAS is required for production of 1 ton of SMX. However, Government of India has permitted imports of 800 Kg of HAS against exports of 1 ton of SMX. Thus, effectively 20% extra imports is being permitted by the Government of India against every MT of every ton of export of SMX.

In view of the above, petitioner has submitted that though the merchant demand of the HAS for the Indian domestic consumption is in the region of 2000 MT, effectively another 400 MT imported anti dumping duty free material would be available to the industry which would be consumed by the company for production of item destined for domestic market. The effective demand of HAS for domestic market is thus in the region of 1600 MT, which is the capacity, created by the company.

(b) **VIEWS OF THE EXPORTER, IMPORTER AND OTHER INTERESTED PARTIES.**

M/s BASF and Importer have made the following submissions:-

- (i) The Period of Investigation in the present case, as determined is from 1st July 1999 to 31<sup>st</sup> December, 1999. The said Period of Investigation is too small for any industry, and in particular, chemical industry to depict a clear picture of the trend in the chemical industry. They have requested that Period of Investigation may be extended for a full financial year in order to have a clear picture of the trend in that particular industry.
- (ii) The petitioner herein has imported the alleged product under consideration from USA just before the Period of Investigation.
- (iii) The practice followed by the Authority to take the lower Export Price for non-cooperative exporter to calculate the Dumping Margin is unprecedented. The only data available with the Authority is the imports details and to take the lowest exports (or import) price is patently unfair to the users of HAS.
- (iv) It is submitted that petitioner has suffered no injury. Injury is being claimed and highlighted on account of a selective analysis of injury, where differing period are compared – quarter to quarter or annualized just to accentuate the apparent injury.
- (v) The fact that factors other than dumped imports are affecting the Domestic Industry is reinforced by the petitioner's admission at the public hearing that sales are still down. This proves that even after the imposition of duty the Domestic Industry is not benefiting and that imports are not on account of price, but rather on account of other factors such as poor quality and inefficient production methods.

**AUTHORITY POSITION:**

The submissions made by petitioner, exporters, importers and other interested parties have been examined and considered only to the extent they are relevant under the Rules and have a bearing on this case and dealt with at appropriate places in the notification: -

- (i) With regard to the issues raised by the petitioner, the Authority has conducted on the spot verification of the exporter M/s BASF. Accordingly, Normal Value, Export Price and Dumping Margin have been determined.
- (ii) With regard to the issue of quality, the Authority notes that there is no evidence that there is a difference in quality. Hon'ble CEGAT has already held that the issue of quality is not relevant to the present purposes. In any event, the issue of quality requires, at the best, a quantified adjustment, which has not been demonstrated by an interested party.

- (iii) The Domestic Industry has not imported HAS during the period of investigation. In any event, the Authority has discretion to retain such a company within the scope of the Domestic Industry. The reasons advanced for exclusion of the company are worthy of rejection.
- (iv) The Period of Investigation considered by the Authority is in accordance with the rules and most appropriate as the petitioner had alleged dumping of Hydroxyl Amine Sulphate by the exporters from these countries during this period. The Authority is required to investigate the period for which the dumping allegation is made by the petitioner.

**C PRODUCT UNDER CONSIDERATION:**

- 3 The product considered in the present investigation is Hydroxyl Amine Sulphate (HAS) originating in or exported from USA, Japan and the European Union (EU). Hydroxyl Amine Sulphate is classified, under the Custom-sub heading 2825 1003 of the Custom Tariff Act, 1975. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

**D DOMESTIC INDUSTRY STANDING OF THE PETITIONER:**

- 4 The petition has been filed by M/s Deepak Nitrite Limited having its Registered Office at Alkapuri, Baroda-390007. The petitioner is the sole producer of the subject goods in India. Therefore, the petitioner fulfils the criteria to represent the Domestic Industry, as required under the Rules.

**E LIKE ARTICLE:**

- 5 (a) Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules specifies that "Like Article" means an article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination.
- (b) The petitioner has claimed that there is no significant difference in Hydroxyl Amine Sulphate produced in India and Hydroxyl Amine Sulphate exported from subject countries/territory. Hydroxyl Amine Sulphate produced by Domestic Industry and imported from these countries/territory are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specification, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. Therefore, Hydroxyl Amine Sulphate produced by the petitioner and imported from subject countries/territory should be treated as Like Article in accordance with the anti dumping rules.

The petitioner has also claimed that there are two methods available for production of Hydroxyl Amine Sulphate. Domestic industry is producing Hydroxyl Amine Sulphate with Raschig's process and other method of production for Hydroxyl Amine Sulphate is by hydrogenation of Nitric Oxide over platinum catalyst in presence of dilute sulphuric acid. The HAS solution is then separated out by crystallizing and centrifuging. Domestic industry has further stated that they are not aware about the method adopted by the producers in the subject countries/ territory. However, it is submitted that the difference in method adopted has no significant impact on marketing, pricing, specification etc..

- (c) In view of the same, the Authority holds that Hydroxyl Amine Sulphate being produced by the Domestic Industry and those being imported from the subject countries/ territory can be used interchangeably and thus are commercially and technically substitutable and therefore, are Like Article within the meaning of the Rules.

F. **NORMAL VALUE, EXPORT PRICE & DUMPING MARGIN USA, JAPAN AND EU:**

6. The Authority provided opportunity to the exporters from USA, Japan and EU to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Rules. The Authority also wrote to the Embassy of USA, Japan and EU Delegation in India.

G. **DUMPING MARGIN**

7. **NORMAL VALUE:**

The Authority has examined Normal Value in relation to Section 9A(1)(c) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995.

The Authority sent the questionnaire to the exporters from the subject countries/ territory in terms of the Section cited above. The claims made by the exporters with regards to the Normal Value and the Export Price are as under: -

H. **EXPORTERS FROM USA, JAPAN AND EU:**

8. The response was received from M/s BASF Aktiengesellschaft, Germany and M/s UBE Industries Limited, Japan. They had furnished the details of domestic sales and the exports made to India during the Period of Investigation. M/s Toagosei Company Ltd., Japan and M/s DSM, Netherlands have submitted that they have not exported the subject goods during period of investigation. M/s DSM has further stated that since January, 1998 they are not producing or exporting Hydroxyl Amine Sulphate any more, hence there is no necessity to participate in the investigation. The claims made by the exporters with regard to the Normal Value and the Export Price are discussed herein under: -

9 **M/S BASF, GERMANY:**

(a) **NORMAL VALUE:**

- (i) The exporter furnished the month wise details of the sales of Hydroxyl Amine Sulphate in the domestic market. M/s BASF sold \*\*\*\*\*Kg of Hydroxyl Amine Sulphate in the domestic market at a sales value of US\$\*\*\*\*\*. Thus, the average sales realisation in the domestic market was US\$\*\*\*\*\* per kg. M/s BASF has also submitted its cost of production of Hydroxyl Amine Sulphate. They have claimed adjustments in respect of Commission, Packing, and Inland Freight to arrive at the Ex-factory price of domestic sales. Accordingly, an Ex-factory domestic price of US\$\*\*\*\*\* per Kg of HAS was claimed.
- (ii) At the time of verification, based on the issues raised by the petitioner and information submitted by M/s BASF, certain clarifications were sought from the company. The company was requested to reproduce the oral clarifications at the time of verification in writing which they have failed to do.
- (iii) Since the company has failed to reproduce their oral clarifications in writing, the clarifications provided by the company orally at the time of verification has not been taken on record, particularly in view of the counter-claims lodged by the petitioner. This was clarified to M/s BASF at the time of visit and informed in writing also. However, M/s BASF has failed to provide the clarifications/information solicited by the Authority in writing and hence M/s BASF has been treated as non-cooperative to such an extent. The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e. best information available.

(b) **EXPORT PRICE:**

M/s BASF has exported \*\*\*\*\* Kg of Hydroxyl Amine Sulphate to India for a total value of US\$\*\*\*\*\*. Accordingly, the average Export Price of Hydroxyl Amine Sulphate during the Period of Investigation works out to US\$\*\*\*\*\* per kg. The exporter has claimed adjustments on account of Commission \*\*\*\*\*, Inland Freight \*\*\*\*\*, Overseas Freight \*\*\*\*\* and Packing \*\*\*\*\*. The Ex-factory Export Price to India is claimed at \*\*\*\*\*/Kg. For Export Price the Authority has relied on the data submitted by the exporter.

Thus, the Dumping Margin in case of M/s BASF, Germany from EU is assessed by the Authority at US\$\*\*\*\*\* per Kg or 98.74%.

10 **OTHER EXPORTERS FROM EU:**

- (a) The Authority provided opportunity to the exporters from EU to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Delegation of EU in India also. However, no other exporters from EU have responded to the Authority's request for information. The claim made by the petitioner with regard to the determination of Normal Value has also not been

disputed by the other interested party(ies). The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e. best information available.

- (b) Thus, the Dumping Margin in case of Non-co-operative/other exporters of Hydroxyl Amine Sulphate from EU assessed by Authority is same as of M/s BASF i.e. at US\$\*\*\*\*\* per Kg. or 98.74%.

11 **M/S UBE INDUSTRIES LTD. JAPAN:**

(a) **NORMAL VALUE:**

- (i) M/s UBE has stated that subject goods produced by them are sold in the Japanese market through distributors.
- (ii) M/s UBE has stated that they are not the distributor of subject goods in Japanese market, data regarding such as "Margin (balance of purchase price and resale price of distributors which is normally 3-5% of purchase price)' is not provided.
- (iii) The exporters furnished the month wise details of the sales of Hydroxyl Amine Sulphate in the domestic market on same level of trade as exported in India. M/s UBE sold \*\*\*\*\*Kg of Hydroxyl Amine Sulphate in the domestic market at a sales value of US\$\*\*\*\*\*. Thus, the average sales realisation in the domestic market was US\$\*\*\*\*\* per kg. M/s UBE has also submitted its cost of production of Hydroxyl Amine Sulphate. The adjustments have been claimed in respect of Packing, Inland Freight, insurance and handling to arrive at the Ex-factory price of domestic sales. Accordingly, an Ex-factory domestic price of US\$\*\*\*\*\* per Kg. was claimed.

The Authority has allowed above adjustments. The Normal Value comes to US\$\*\*\*\*\* per Kg.

(b) **EXPORT PRICE:**

- (i) The exporter has mentioned that subject goods produced by them is sold to distributors/trading houses and they exported it to India. The subject goods produced by M/s UBE is exported to India through M/s Nissho Iwai Co , M/s Mitui &Co Ltd. and M/s Mitsuya Boeki Ltd., Japan.
- (ii) M/s UBE has stated, that they have not directly exported the subject goods to India. However, they have provided exports data such as Exports Selling Price (CIF basis) and charges after FOB, of their distributors/trading houses.
- (iii) M/s. UBE Industries Ltd. has exported \*\*\*\*\* Kg. of Hydroxyl Amine Sulphate to India for a total value of US\$\*\*\*\*\*. Accordingly, the average Export Price of Hydroxyl Amine Sulphate during the period of investigation works out to US\$\*\*\*\*\* per kg (through its distributors/trading houses) . The exporter has claimed adjustments on account of commission \*\*\*\*\* , inland freight \*\*\*\*\* , overseas freight \*\*\*\*\* , insurance \*\*\*\*\* , overseas insurance \*\*\*\*\* , packing \*\*\*\*\* , handling \*\*\*\*\* , forwarding \*\*\*\*\* and interest \*\*\*\*\* . Thus the ex-factory price for export sales to India is claimed at \*\*\*\*\*/Kg. The Authority has allowed above adjustments.

Thus, the Dumping Margin in case of exports of subject goods produced by M/s UBE, Japan is assessed by the Authority at US\$\*\*\*\*\* per Kg or 40.03%.

- (iv) The Authority sought a clarification from M/s UBE regarding their statement that they have exported the subject goods in India through three distributors/trading houses named above, whether these distributors/trading houses have exported the subject goods produced by M/s UBE only, in India during Period of Investigation. M/s UBE has clarified that during the Period of Investigation all three distributors/trading houses did not export Hydroxyl Amine Sulphate to India produced by any other company.

Accordingly, the Dumping Margin is 40.03% for M/s Nissho Iwai Co., M/s Mitui & Co. Ltd. and M/s Mitsuya Boeki Ltd., Japan as assessed for M/s UBE Industries Ltd.

12 **OTHER EXPORTERS FROM JAPAN:**

- (i) The Authority provided opportunity to the exporters from Japan to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Embassy of Japan in India also. However, no other exporters from Japan have responded to the Authority's request for information. The claim made by the petitioner with regard to the determination of Normal Value has also not been disputed by the other interested party(ies). The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e. best information available.
- (iii) The Dumping Margin in case of Non-co-operative exporters of Hydroxyl Amine Sulphate from Japan is assessed by Authority at US\$\*\*\*\*\* per Kg or 105.78%.

13 **EXPORTERS FROM USA**

- (i) The Authority provided opportunity to the exporters from USA to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority also wrote to the Embassy of USA in India. However, none of the exporters from USA has responded to the Authority's request for information.
- (ii) The claim made by the petitioner with regard to the determination of Normal Value has also not been disputed by any interested party (ies). The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e., best information available.
- (iii) The Export Price has been determined on the basis of the information compiled by the DGCI&S. The average Export Price has been adjusted for commission, insurance, inland freight, overseas freight, port expenses as claimed by Domestic Industry. The Dumping Margin has been assessed by the Authority at US\$\*\*\*\*\* per kg or 67.47% for all exports of HAS from USA.

## 14. The Rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the Export Price and the Normal Value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

## 15. Based on the Normal Value and the Export Price, as discussed above, the Dumping Margin in respect of individual exporters and the specific countries/territory, is as under: -

S. No.	Country/Exporter	Dumping Margin %
1.	<u>EU</u> All Exporters	98.74
2.	<u>JAPAN</u> 1) M/s UBE Industries Ltd. 2) M/s Nissho Iwai Co. 3) M/s Mitui & Co. Ltd. 4) M/s Mitsuya Boeki Ltd. 5) Others Exporters	40.03 40.03 40.03 40.03 105.78
3.	<u>USA</u> All Exporters	67.47

I. INJURY & CAUSAL LINK:

16. (a) In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the Like Article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
- (b) For the examination of the impact of the imports on the Domestic Industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.
- (c) The Authority has also examined factors other than dumped imports viz. uneconomical plant size, inefficiencies, mismanagement, quality or any other factors etc. as cited which might be injuring the Domestic Industry at the same time.

- (d) The Non-Injurious Price for the Domestic Industry has been determined by making appropriate analysis of all relevant factors like usage of raw material, usage of utilities, etc. and the actual expenses during the Period of Investigation including the investments and capacity utilization. The Non-Injurious Price of Domestic Industry has been determined by considering the optimum cost of production and considering the reasonable return on the capital employed by the Domestic Industry.

J. **CONCLUSION ON INJURY:**

17. The Authority concludes that:

(a) **MARKET SHARE:**

Year	Market share – domestic industry (%)	Market share – Imports (%)
1995-96	12.71	87.29
1996-97	13.80	86.20
1997-98	13.56	86.44
1998-99	15.30	84.70
POI (Annalised)	10.72	89.28

It may be seen from the above table that market shares of imports in demand of HAS in India has increased. The increase in the market share of imports in demand was directly at the cost of decline in the market share of the Indian industry. Further, the entire imports are from the subject countries/territory.

(b) **INCREASE IN IMPORT FROM THE SUBJECT COUNTRIES/TERRITORY IN ABSOLUTE TERM:**

The Authority finds that the imports of HAS from the subject countries/territory have increased significantly in absolute terms as may be seen from the table below:-

YEAR	IMPORTS IN MT
1995-96	2826.25
1996-97	3268.84
1997-98	3684.58
1998-99	4055.77
P O I – Annualised	4117.87

(c) **PRODUCTION & CAPACITY UTILISATION:**

Production and Capacity Utilisation of the petitioner has been as under:-

Year	Capacity in MT	Production in MT	Capacity utilization %
1995-96	600	379	63.17
1996-97	600	515	85.83
1997-98	750	643	85.73
1998-99	975	750.775	77
POI (six months)	780	375.33	48.12

It is evident from the above that the capacity utilisation of the Domestic Industry has declined even though production of the Domestic Industry has increased. The increase in the production has been because of increased capacity of the Domestic Industry.

(d) **SALES REALISATION**

The sales realisation of the Domestic Industry for Period of Investigation and for previous three years is as under (indexed information considering 1995-96 as 100):-

Period	Sales realisation Rs. per MT
1995-96	100.00
1996-97	99.73
1997-98	89.34
1998-99	89.98
July, 1999	83.56
August, 1999	74.95
September, 1999	69.88
October 1999	64.69
November, 1999	71.98
December, 1999	60.29

It is evident that the sales realisation of the Domestic Industry has declined very steeply particularly during the Period of Investigation.

(e) **PRICE UNDERCUTTING:**

Period	Sales Realisation (Domestic Industry ) Base year = 100	Landed Value (Imports) Base year = 100
1995-96	100.00	100.00
1996-97	99.73	102.62
1997-98	89.34	97.73
1998-99	89.97	81.69
July, 1999	83.56	60.47
August, 1999	74.95	60.99
September, 1999	69.88	58.11
October, 1999	64.69	60.00
November, 1999	71.98	61.67
December	60.29	59.26

It may be seen from the above table that the Landed Value of the imported material from subject countries/territory was higher than the selling price of Domestic Industry till 1998-99. However, during Period of Investigation the exporters from the subject countries/territory reduced their prices significantly, which resulted in very significant price undercutting in the Indian market.

64/GI/2001-5

(f) **SALES QUANTITY:**

PERIOD	SALES IN MT
1995-96	422
1996-97	525
1997-98	616
1998-99	765 90
PO I	264 53
P OI Annualized	529 06

The Authority finds that sales of the Domestic Industry have declined. Though Domestic Industry has decreased its selling price because of dumping of HAS in the Indian market from the subject countries/territory, the Domestic Industry was not able to increase its sales proportionate to the increase in the production and capacity.

(g) **PROFITABILITY:**

The increase in the cost of production and reduction in the selling price on the other hand has resulted in decline in profitability of the Domestic Industry.

(h) **DECLINE IN CONTRIBUTION PER MT OF HYDROXYL AMINE SULPHATE:**

As it is evident from the above para that sales realisation of the Domestic Industry has declined very significantly, the decline in the sales realisation of the Domestic Industry resulted in declined contribution per MT of HAS. The Authority has analysed the same in the confidential information submitted by the Domestic Industry and found that the Domestic Industry was faced with the situation of negative contribution.

(i) **CLOSING STOCK:**

The closing stock of the petitioner was 16 625 MT during 1997-98 and 1 5 MT during 1998-99 has gone up to 117 800 MT during the Period of Investigation.

- 18 The Authority, therefore, notes from the above that during the Period of Investigation the imports from the subject countries/territory have been at a price below the selling prices of the Domestic Industry. Further, the imports into India have been at a price lower than the Non-Injurious Price for the Domestic Industry. As a consequence thereof the petitioner was forced to sell its product at a price significantly below its Non-Injurious Price resulting in financial losses to the petitioner. The petitioner was also prevented from increasing the level of capacity utilisation as compared to the total apparent market.

These parameters collectively and cumulatively indicate that the petitioner has suffered material injury due to the dumped imports.

**K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

19. (a) The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the petitioner companies and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the countries.
- (b) It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the petitioner's company. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the petitioner's company and help maintain availability of wider choice to the consumers of Hydroxyl Amine Sulphate. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries/territory in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
- (c) To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the petitioner's company, the Authority has relied upon Non - Injurious Price of Hydroxyl Amine Sulphate in India for the petitioner's company, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the petitioner's company.

**L. FINAL FINDINGS**

20. The Authority, after considering the foregoing, concludes that:
- (a) Hydroxyl Amine Sulphate originating in or exported from the subject countries/territory has been exported to India below its normal value, thereby resulting in dumping;
- (b) The Domestic Industry has suffered material injury;
- (c) The injury has been caused to the Domestic Industry by dumping of the subject goods originating in or exported from USA, Japan and EU.
- (d) In view of the above, the Authority recommends imposition of definite anti-dumping duty on all imports of Hydroxyl Amine Sulphate falling under chapter 28 (Custom Sub-heading 2825.1003 ) originating in or exported from USA, Japan and EU.

- (e) The landed value of imports for the purpose shall be assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of Customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
- (f) It was considered to recommend the amount of Anti-Dumping Duty equal to the Dumping Margin or less which, if levied, would remove the injury to the Domestic Industry. Landed value of the imports for individual exporters, for the purposes, were compared with the non-injurious selling price of the Domestic Industry, determined for the period of investigation. Wherever the difference was less than the Dumping Margin, a duty lower than the Dumping Margin is recommended.
- (g) Accordingly, anti-dumping duties may be imposed, on all imports of Hydroxyl Amine Sulphate originating in or exported from the subject countries/ territory. The anti-dumping duty shall be the difference between the amounts mentioned in column 3 below and the landed value of imports in US \$ / MT.

S. No.	Country/Exporter	Amount US\$/ MT
1	2	3
a.	<u>EU</u> All Exporters	1794.13
b.	<u>JAPAN</u> 1) M/s UBE Industries Ltd. 2) M/s Nissho Iwai Co. 3) M/s Mitui & Co. Ltd. 4) M/s Mitsuya Boeki Ltd 5) Others Exporters	1733.56 1733.56 1733.56 1733.56 1794.13
c.	<u>USA</u> All Exporters	1794.13

- (h) Subject to the above, the Authority confirms the Preliminary Findings dated 4<sup>th</sup> August, 2000.
- (i) An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority